अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–189 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शनिवार 9 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा मैं दिनांक 8–10–2021 दिन शुक्रवार को हिंदुस्तान लाइव चौनल लखनऊ से वार्ता करते हुए संवाददाता रीशू मिश्रा से अपने अवध के अवध की आवाज के पेपर के विषय में वार्ता की मिश्रा जी ने पेपर एवं पोर्टल की प्रशंसा की संवाददाता मनोज गुप्ता

शिरोमणि अकाली दल ने केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त करने की मांग की

लखनऊ (वेब वार्ता)। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त करने और लखीमपुर हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों को न्याय दिलाने के लिये आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

लखीमपुर हिंसा में मारे गये किसान के परिजनों से बहराइच मिलने जा रहे अखिलेश, मांगा मंत्री का इस्तीफा

लखनऊ(वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गये किसानों के परिजनों से मिलने के लिए बहराइच जा रहे हैं। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो सरकार को नोटिस दिया है, उससे न्याय की उम्मीद बढ़ी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि गृहराज्य मंत्री का इस्तीफा होना चाहिए।

यूपी पर मंडरा रहा बिजली का संकट

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने स्वीकार किया है कि कोयले की कमी और उच्च आर्द्रता के स्तर के कारण बढ़ती बिजली की मांग के मद्देनजर बिजली संकट मंड़रा रहा है। राज्य के ऊर्जा विभाग के अनुसार, देश भर में 16 बिजली परियोजनाओं में से आठ के पास केवल छह दिनों के लिए कोयले का भंडार है, जबकि 109 गैर–पिथेड परियोजनाओं में से 25 ने (कोयला हेड से

लखीमपुर का राजनीतिकरण करने वालों को तालिबान का आईना दिखाना चाहिए : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (वेब वार्ता)। यूपी के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के बाद मुख्यमंत्री योगी ने

अपना पक्ष रखा और कहा कि लखीमपुर का राजनीतिकरण करने वालों को तालिबान का आईना दिखाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक निजी टीवी चौनल के कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय रख रहे थे। कहा कि यह घटना दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार इसकी गहन पड़ताल कर तह तक जा रही है। लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं है। चाहे वह कोई भी हो कानून सबके लिए समान है, कानून सबके साथ समान रूप से व्यवहार भी करेगा। योगी ने कहा कि लखीमपुर का राजनीतिकरण करने वालों को तालिबान का आईना दिखाना चाहिए। देश के अंदर लखीमपुर मुद्दे का राजनीतिकरण कौन कर रहे हैं? वही जो काबुल में तालिबान का समर्थन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून अपना काम करेगा। उत्तर प्रदेश में किसी के दबाव में कोई काम नहीं होगा। इस केस में पुलिस की ओर से एक एसआईटी और ज्यूडिशियल कमीशन गठित किया गया है। हम तो मामले की तह तक जाएंगे। वहां पर वांछितों की गिरफ्तारी शुरू हो गई है। कल कई गिरफ्तारियां हुई हैं, आज भी कार्रवाई जारी है। इस पूरे मामले में निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के जो भी लोग थे यह कोई सद्भावना के दूत नहीं थे। अब तो इसकी एक बार पूरी जांच हो जाने दीजिए, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। यह सभी दुर्भावना के चलते वहां आपसी वर्ग संघर्ष पैदा करना चाहते थे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। योगी ने कहा कि कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ के कवर्धा में जो हुआ, क्या वहां कोई गया इनमें से? जिन लोगों को पुलिस ने गोलियों से भूना, क्या कोई उनसे मिलने गया? अखिलेश यादव को पढ़ने–लिखने की फुर्सत कहां है, वो तो बड़े बाप के बड़े बेटे हैं। स्वाभाविक रूप से उनकी जिंदगी है और उनकी अपनी कार्य पद्धति है। देश और दुनिया से उन्हें क्या मतलब है? उन्होंने कहा कि ओवैसी अगर कश्मीर में निशाना बन रहे हिंदुओं और सिक्खों के प्रति भी सहानुभूति व्यक्त कर देते, तो लोग उनको नेता मान लेते। जो लोग लखीमपुर में हिन्दुओं और सिक्खों को आपस में लड़ाना चाह रहे हैं, उनको कश्मीर का आईना दिखाना चाहिए। योगी ने कहा कि कोई अगर इस गलतफहमी में है कि उत्तर प्रदेश के अंदर वो घेराबंदी करके आम जनजीवन को ठप कर देंगे, या निर्दोष लोगों पर हमला करेंगे, तो वो लोग भी तैयार हो जाएं, हम तो तैयार ही हैं। सपा, बसपा और कांग्रेस सभी ब्राह्मण सम्मेलन कर रहे हैं, लेकिन लखीमपुर में दो ब्राह्मण भी मारे गए, क्या इनमें से कोई नेता गया उन पीड़ित ब्राह्मणों के घर? कन्नौज के नीरज मिश्रा की हत्या, क्या संतोष शुक्ला ब्राह्मण नहीं थे? कभी उनके घर गए? मैं नोएडा भी गया और बिजनौर भी। दोनों के बारे में कहा जाता था, जो मुख्यमंत्री वहां जाता है वो दोबारा सत्ता में लौटकर नहीं आता। हम लोग इसी मिथक को तोड़ने के लिए राजनीति में आए हैं। हमारी सरकार उत्तर प्रदेश में दोबारा आएगी।

पचासों साल से भरे सदर तालाब के सड़े मलवे से फैली नगर में दुर्गंध से जनमानस बेहाल

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन । कदौरा सदर तालाब में जलकुंभी व सफाई को लेकर कुछ दिन पूर्व निरीक्षण के दौरान एडीएम पूनम सचान द्वारा सफाई के सख्त निर्देश नगर पंचायत को दिए गए थे तबसे सफाई कार्य तालाब में जारी है जिसे नगर पंचायत के सरकारी सफाई कर्मियों सहित प्रायवेट कर्मियों द्वारा तालाब में घुसकर सड़े गले मलवे को हाथों से साफ किया जा रहा है जिसकी दुर्गंध ा से आस पास बस्ती में जन जनीवन अस्त व्यस्त है व स्वयं सफाई कर्मी बेहाल है। ज्ञातव्य हो कि नगर पंचायत कदौरा में जिला प्रसाशन द्वारा शीघ्र जलकुंभी व गंदगी को दूर करने के निर्देश दिए गए थे जिससे लगातार तालाब में सफाई कार्य जारी है जिसे पहले तो जेसीवी से कराया गया लेकिन अगले दिन से नगर पंचायत सरकारी सफाई कर्मी सहित ठेका सफाइ 'कर्मियों को लगाया गया है।आस पास के वाशिंदों द्वारा बताया गया कि 50 वर्ष पुराने मलवे सहित जलकुंभी को निकालने में आस पास बुरी सड़ांध ऊठने से जनजीवन बेहाल है वही सरकारी व संविदा नगर पंचायत सफाईकर्मी कल्लू विनोद नरेश अरविंद लालाराम बुद्धू कमलेश मिथलेश देवीदीन गुड़िया रोहित विनीता आदि ने कहा कि उक्त गंदे मलवे को साफ करने में दम घुट रहा है जिसकी बदबू से बुरी हालत है एव उक्त ठेका कार्य होने के बावजूद हम सरकारी सफाई कर्मियों से कार्य करवाया जा रहा है।वही बदबू को लेकर आस पास के लोगो की हालत भी खस्ता है।वही सफाईकर्मी कन्फ्यूज है कि यदि उक्त तालाब सफाई कर्मी कार्य ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा तो अलग से मजदूर की बजाय सरकार सफाई कर्मियों से लगातार अतिरिक्त कार्य क्यो लिया जा रहा है जिसमे सफाई करते वक्त एक सफाई कर्मी घायल भी हो चुका है।

अधिवक्ता ने जान से मारने की धमकी मिलने की पुलिस से की शिकायत

उरई (जालौन) अधिवक्ता ने जान से मारने की धमकी मिलने की शिकायत करते हुए पुलिस से कार्यवाही करने की मांग की है।मुहल्ला जवाहर नगर निवासी अधिवक्ता रामशरण कुशवाहा ने कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती 2 अक्टूबर को सुबह करीब साढ़े 7 बजे उसके मोबाइल नंबर पर रिश्तेदार महेंद्र सिंह पुत्र राधाकृष्ण निवासी पीपरी कलां थाना कैलिया ने अपने मोबाइल से फोन कर उसके साथ गाली गलौज की और जान से मारने की ध ामकी दी अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र में बताया कि महेंद्र सिंह का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा है और उक्त मामले की पैरवी वह कर रहा है जिससे महेंद्र सिंह उससे खुन्नस खाये हुए है।अधिवक्ता ने धमकी दिए जाने के मामले में पुलिस से कार्यवाही करने की मांग की है।

यूपी सरकार ने 9 गेस्ट हाउस का नाम नदियों, धार्मिक स्थलों के नाम पर रखा

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने अब लखनऊ, दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में अपने नौ गेस्ट हाउस का नाम नदियों या हिंदू धार्मिक स्थलों के नाम पर रखा है। राज्य के संपदा विभाग के अनुसार, दिल्ली में यूपी भवन को अब संगम कहा जाएगा, जबकि यूपी सदन को यूपी सदन त्रिवेणी के नाम से जाना जाएगा। महात्मा गांधी मार्ग पर लखनऊ स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस को वीवीआईपी गेस्ट हाउस साकेत कहा जाएगा। डालीबाग में गेस्ट हाउस को वीआईपी गेस्ट हाउस यमुना के नाम से जाना जाएगा, जबकि विक्रमादित्य मार्ग और मीराबाई मार्ग पर स्थित गेस्ट हाउस को क्रमशः गोमती और सरयू कहा जाएगा। बटलर पैलेस कॉलोनी के गेस्ट हाउस को नैमिषारण्य कहा जाएगा। मुंबई में स्टेट गेस्ट हाउस अब यूपी स्टेट गेस्ट हाउस वश्ंदावन के नाम से जाना जाएगा, जबकि कोलकाता में गेस्ट हाउस को यूपी स्टेट गेस्ट हाउस गंगा कहा जाएगा।

जिलाध्यक्ष सुनील बजाज द्वारा उत्तर जिले की बैठक भाजपा कार्यालय में हुई

अवध की आवाज

कानपुर महानगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जनप्रतिनिधि ा बनने के 20 वर्ष , 7 अक्टूबर 2021 को पूर्ण होने पर उन्हें

संगठन द्वारा बधाई के पत्र व उनके द्वारा केन्द्र सरकार के माध्यम से किये गये मील के पत्थर वाले कार्य जैसे धारा 370 , 35 ए तीन तलाक,राम मन्दिर निर्माण में अहम भूमिका पर भी उन्हें बधाई प्रेषित की गई। पूरे जिले में बूथ स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में हर बूथ पर कम से कम 20 पोस्ट कार्ड लिखकर उन्हें बधाई प्रषित की 14 हजारे से अधिक पोस्ट कार्ड लिखे जा चुके है। जिलाध्यक्ष सुनील बजाज द्वारा उत्तर जिले की बैठक में उक्त जानकारी दी गयी।साथ ही सभी कार्यकर्ताओं अपने – अपने बूथों पर पन्ना प्रमुख बनने का निर्देश दिया। चाहे जो भी पदाधिकारी हो वह अपने मतदान वाले क्षेत्र की वोटिंग लिस्ट का पन्ना प्रमुख रहेगा तथा 8 से 15 अक्टूबर 2021 तक चलने वाले पन्ना प्रमुख अभियान में सभी को सोशल मीडिया पर अपने को पन्ना प्रमुख दर्शाते हुये। अपनी फोटो पोस्ट करनी है तथा सोच इमानदार काम दमदार, फिर एक बार भा. ज.पा सरकार स्लोगन लिखेगे। साथ ही विधानसभा चुनावों में कोरोना के प्रोटोकाल को देखते हुये चुनाव आयोग ने 1200 से अधिक मतदान वाले बूथों को तोड़कर बूथों की संख्या को बढ़ा दिया गया है। पहले भा.ज. पा कानपुर महानगर उत्तर जिले में 1207 बूथों की संख्या बढ़कर 1262 अब हो गयी है। बढ़े हुये 55 बूथों पर बूथ प्रमुख व पन्ना प्रमुखों का कार्य भी 15 अक्टूबर तक पूर्ण करना है। संगठन के कार्य को गति प्रदान करने हेतु कल सभी 14 मण्डल अध्यक्षों की बैठक प्रातः 11–00 बजे जिला कार्यालय , नवीन मार्केट में आहुत की गयी है। बैठक में प्रमुख रूप से सर्वश्री वीरेश त्रिपाठी, संतोष शुक्ला , अवधेश सोनकर जितेन्द्र शर्मा , रंजीत भदौरिया , रिषी गुप्ता , रिचा सक्सेना, सत्यमगुप्ता, श्यामू तिवारी, रोहित साहू, रवि पाण्डेय , विनोद सोनकर आदि थे

बसपा के बागी हुए साइकिल पर सवार, ह ाथी के लिए बढ़ेगी चुनौती

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। इस बीच बसपा से निष्कासित और बागियों ने अपना नया ठीकाना समाजवादी पार्टी को बनाया है। राजनीतिक पंडितों का मनाना है बसपा के बागियों के साइकिल में सवार होने से हांथी के लिए चुनौती जरूर बढ़ेगी।

मेरा बेटा निर्दोष, आज होगा पुलिस के सामने पेश : अजय मिश्रा

लखनऊ (वेब वार्ता)। केंद्रीय गश्ह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने अपने बेटे को 'निर्दोष' बताते हुए शुक्रवार को कहा कि उनका बेटा 'अस्वस्थ' है और वह आज शनिवार को पुलिस के सामने पेश होगा। मिश्रा ने यहां चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ष्हमें कानून पर भरोसा है। मेरा बेटा निर्दोष है। उसे बृहस्पतिवार को नोटिस मिला लेकिन उसने कहा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, वह कल पुलिस के सामने पेश होगा और अपने निर्दोष होने के बारे में बयान और सबूत देगा।'' यह पूछे जाने पर कि विपक्ष उनके इस्तीफे की मांग कर रहा है, उन्होंने कहा, षविपक्ष तो कुछ भी मांगता है। मंत्री ने कहा कि यह भाजपा सरकार है जो निष्पक्ष तरीके से काम करती है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा का नाम तीन अक्टूबर को हुई लखीमपुर हिंसा की प्राथमिकी में है, जिसमें चार किसानों और एक पत्रकार सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी।

अवैध निर्माणों का अधिषासी अभियंता ने लिया संज्ञान एई को दिए जांच के आदेश

अवैध निर्माणों के महा हिमायती अवर अभियंता एस के सिंह और संजय शुक्ला की तैनाती बार बार एक ही क्षेत्र में लम्बे समय से क्यों ?

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन 5 में तैनात अवैध निर्माणो के महा हिमायती अवर अभियंता

एस के सिंह और संजय शुक्ला के संरक्षण में चल रहे बड़े पैमाने पर अवैध निर्माणो के प्रकाशित समाचार का का संज्ञान लेते हुए प्रवर्तन जोन 5 के अधिशासी अभियंता के के बंसला द्वारा सहायक अभियंता एस एन शाक्य को जांच का निर्देश देते हुए प्रभावी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रवर्तन जोन 5 में तैनाती पाते ही संजय शुक्ला के द्वारा बड़े पैमाने पर संरक्षण देकर नियम विरुद्ध बहु मंजिला व्यवसायिक अवैध निर्माण करवाए जा रहे हैं। सूत्रनुसार श्री शुक्ला के संरक्षण मे हो रहे अवैध निर्माण की प्रकाशित खबर से बौखलाए अवैध निर्माणो के हिमायती श्री शुक्ला के द्वारा पत्रकारों के विरुद्ध लखनऊ विकास प्राधि ाकरण मे तैनात समस्त अवर अभियन्ताओ से यूनियन बनाकर एलडीए मे आने वाले पत्रकारो को अवैध समाचार संकल न करने की चेतावनी देने का प्रयास किया जा रहा हैं। जबकि श्री शुक्ला को यह नहीं मालूम कि वह स्वयं सैकड़ो अवैध निर्माणों के संरक्षण हिमायती हैं। वहीं अवैध ा निर्माणों के महा हिमायती अवर अभियंता एसके सिंह के द्वारा दूसरी बार जानकीपुरम में तैनाती पाते ही बड़े पैमाने पर नियम विरुद्ध बहुमंजिला व्यवसायिक सैकड़ों निर्माण करवाए जा रहे हैं। विदित हो कि इससे पूर्व जोन 1 गोमती नगर में तैनाती के दौरान एस के सिंह को अवैध निर्माण के मामले में ऊंची पहुंच के चलते स्वयं को निलंबित न कराकर

सुपरवाइजर धर्मू को आरोपित करके निलंबित कराकर स्वयं को दूसरे अनुभाग तैनात कराने के बाद ऊंची पहुंच के चलते चंद दिनों में ही पुनः दूसरी बार जानकीपुरम तैनाती पाने में कामयाब रहे। विदित हो कि गोमती नगर विस्तार के मामले में हटाए गए एस के सिंह अवर अभियन्ता के विरुद्ध लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के द्वारा शासन को भेजे गये पत्र पर सीएम योगी की जीरो टोलरेंस सरकार मे नगर विकास विभाग के अधि ाकारियों के द्वारा भ्रष्ट अवर अभियंता एस के सिंह के विरुद्ध आज तक कोई कार्यवाही नहीं ? गौर तलब बाात तो यह हैं कि अवैध निर्माणो के महा हिमायती अवर अभियंता एस के सिंह और संजय शुक्ला की तैनाती बार बार एक ही क्षेत्र में लम्बे

समय से क्यों ? क्या ये दोंनो अवर अभियंताओं को प्राधिकरण के उच्च अधि ाकारियों का खुला संरक्षण प्राप्त हैं जिसके चलते जोन 5 से नहीं हटा पा रहे हैं और बार बार जोन 5 में ही दे रहे हैं। क्रमश – आगे

सम्पादकीय

निजी रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान की जरूरत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निजी क्षेत्र के रक्षा उद्योगों में अनुसंधान व निवेश की जरूरत को रेखांकित किया है। उन्होंने विशेष रूप से साइबर स्पेस से संबंधित तकनीक में विकास का आग्रह किया है। उन्होंने यह नसीहत 'सोसायटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स' के सालाना जलसे में दी। दरअसल वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में तेजी से बदलाव से सैन्य उपकरणों की मांग बढ़ने की उम्मीद की जाने लगी है। अफगानिस्तान पर आतंकवादी संगठन तालिबान के कब्जे के चलते वैश्विक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। अफगान से अमेरिकी सेनाओं की वापसी और संयुक्त राष्ट्र संघ के अप्रासंगिक हो जाने से ये परिवर्तन किसी भी खतरनाक मोड़ पर पहुंच जाने की आशंकाएं सामरिक विशेषज्ञों द्वारा जताई जाने लगी हैं। यही वजह है कि आज दुनिया में ऐसा कोई भी क्षेत्र अछूता नहीं रह गया है, जो आतंक या अराजकता का दंश न झेल रहा हो। भारत में सैन्य उपकरणों की जरूरत इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि उसने पहले ही चीन से कटुतापूर्ण संबंधों के चलते और घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने की दृष्टि से एक सैकड़ा से भी ज्यादा रक्षा उपकरणों के आयात पर रोक लगाई हुई है।

साफ है, यदि निजी रक्षा उद्योग रक्षा उपकरणों में निवेश करके इनके निर्माण की प्रौद्योगिकी विकसित कर लेते हैं तो ये उपकरण व हथियार भारत सरकार को दूसरे देशों से खरीदने की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। सरकार की तय योजना के अनुसार इसी साल दिसंबर से दिसंबर 2025 तक आयात किए जाने वाले उपकरणों, हथियारों, मिसाइलों, पनडुब्बियों और हेलिकॉप्टरों का निर्माण अब भारत में ही किए जाने के प्रयास हो रहे हैं। इस मकसदपूर्ति के लिए आगामी 5–7 साल में घरेलू रक्षा उद्योग को करीब चार लाख करोड़ रुपए के ठेके मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मंत्र के आह्वान के तहत रक्षा मंत्रालय अब रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में स्वदेशी निर्माताओं को बड़ा प्रोत्साहन देने की तैयारी में आ गया है। दरअसल अभी तक देश तात्कालिक रक्षा खरीद के उपायों में ही लगा रहा है, लेकिन इस परिप्रेक्ष्य में दीर्घकालिक रणनीति के अंतर्गत स्वदेशी रक्षा उपाय इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि एक समय रूस ने हमें क्रायोजनिक इंजन देने से मना कर दिया था। दूसरी तरफ धनुष तोप के लिए चीन से जो कल–पुर्जे खरीदे थे, वे परीक्षण के दौरान ही नष्ट हो गए थे।

पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान से युद्ध की स्थिति बनी होने के कारण चलते और तालिबानी आतंक के निर्यात की आशंकाओं के चलते ऐसा अनुमान है कि भारत को 2025 तक रक्षा सामग्री के निर्माण व खरीद में 1.75 लाख करोड़ रुपए (25 अरब डॉलर) खर्च करेगा। वैसे भी भारत शीर्ष वैश्विक रक्षा सामग्री उत्पादन कंपनियों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में से एक है। भारत पिछले आठ वर्षों में सैन्य हार्डवेयर के आयातकों में शामिल हैं। इन रक्षा जरूरतों की पूर्ति के लिए अमेरिका, रूस, फ्रांस, चीन और इजराइल इत्यादि देशों पर भारत की निर्भरता बनी हुई है, जिसमें उल्लेखनीय कमी आएगी। 2015 से 2019 के बीच सऊदी अरब के बाद भारत ऐसा देश है, जिसने सबसे ज्यादा हथियारों की खरीद की है।

इसके बावजूद नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट से सेना के पास सभी तरह की सामग्रियों में कमी का खुलासा होता रहा है। कुछ सामानों के घटिया होने की जानकारियां भी मिलती रही हैं। चीन से खरीदी गईं रक्षा सामग्रियां तो अत्यंत घटिया निकली हैं। चीन से लद्दाख सीमा पर संघर्ष के हालात के चलते भारत ने करीब 38,900 करोड़ रुपए के 21 मिग, 29 जेट, 12 सुखोई लड़ाकू विमान और देसी मिसाइल प्रणाली व रडार खरीदने की स्वीकृतियां दी हैं। इसके पहले रक्षा क्रय परिषद् भी लड़ाकू विमान और हथियार खरीदने की मंजूरी दे चुकी है। फ्रांस से जिन 36 लड़ाकू राफेल विमानों की खरीद का बड़ा सौदा हुआ है, उनका आना शुरू हो गया है। भारतीय रक्षा वैज्ञानिकों को 101 उपकरणों पर लगाए गए प्रतिबंध से प्रोत्साहन मिलेगा। नतीजतन हमारे जो नवाचारी वैज्ञानिक उपग्रह प्रक्षेपण प्रणाली के लिए अत्याधुनिक रॉकेट, मिसाइलें, उपग्रहों और क्रायोजनिक इंजन तक का निर्माण करने में सफल हो चुके हैं, वे रक्षा संबंधी हथियार विकसित करने में भी सफल होंगे। बौद्धिक कल्पनाशीलता को पंख मिलते हैं, तो हम कालांतर में इन हथियारों का निर्यात भी करने लग जाएंगे।

हम जानते हैं कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने 2016 में एक साथ 104 उपग्रह अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करके विश्व–इतिहास रचा था। दुनिया के किसी एक अंतरिक्ष अभियान में इससे पूर्व इतने उपग्रह एक साथ कभी नहीं छोड़े गए थे। इस प्रक्षेपण से इसरो की वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पूरी दुनिया में धाक जम गई है। यह उपलब्धि इसरो ने अनेक वैश्विक चुनौतियों का सामना करते हुए पाई थी। बावजूद चुनौतियां कम नहीं रही थीं। क्योंकि एक समय ऐसा भी था, जब अमेरिका के दबाव में रूस ने क्रायोजनिक इंजन देने से मना कर दिया था। दरअसल प्रक्षेपण यान का यही इंजन वह अश्व–शक्ति है, जो भारी वजन वाले उपग्रहों को अंतरिक्ष में पहुंचाने का काम करती है। फिर हमारे पीएसएलएसवी मसलन भू–उपग्रह प्रक्षेपण यान की सफलता की निर्भरता भी इसी इंजन से संभव थी। हमारे वैज्ञानिकों ने दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचय दिया और स्वेदेशी तकनीक के बूते क्रायोजनिक इंजन विकसित कर लिया। अब इसरो की इस स्वदेशी तकनीक का दुनिया लोहा मान रही है।

अमेरिका ने हमारे रॉकेट रोहिणी–75 के प्रक्षेपण को बच्चों का खिलौना कहकर उपहास उड़ाते हुए कहा था कि भारत कभी भी रॉकेट नहीं बना सकता है। यही नहीं अमेरिकी सीनेट ने दावा किया था कि अमेरिका भारतीय भूमि से किसी भी उपग्रह का प्रक्षेपण नहीं कराएगा। लेकिन वैज्ञानिकों के जुनून और जिद ने अमेरिका के कथनों को झुठला दिया। आज न केवल भारत रॉकेट बनाने में सक्षम हुआ है, बल्कि इसको संचालित करने वाला क्रायोजनिक इंजन भी बना लिया है। नतीजतन अमेरिका ही नहीं तमाम विकसित देश भारत से अपने उपग्रह प्रक्षेपित कराने के लिए पंक्ति में खड़े हैं। इसके पहले भारत स्वदेशी तकनीक से परमाणु पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत का निर्माण 2009 में शुरू करके 2013 में इसे समुद्र में जलावतरण भी कर चुका है। इस स्वदेशी परमाणु चालित पनडुब्बी अरिहंत का परमाणु रिएक्टर चालू होना हमारी स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम था। यह उपलब्धि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों और इस परियोजना से जुड़े तकनीकी व रक्षा विशेषज्ञों के संयुक्त प्रयास का परिणाम थी। इससे हमारी सैन्य क्षमताओं में आश्चर्यजनक बढ़ोतरी हुई है। इस उपलब्धि के हासिल हो जाने के बाद हम समुद्र के भीतर से दुश्मन देशों पर हमला करने में सक्षम हुए हैं। यह आयुध–युक्त पनडुब्बी पांच हजार किमी तक मार करने वाली परमाणु मिसाइल को पानी के भीतर से ही निशाने पर छोड़ सकती है। गोया यह तकनीक हमारी रक्षा प्रणाली में मील का पत्थर साबित हुई है। इसी तरह स्वदेशी विमान वाहक पोत विक्रांत का भी जलावतरण हो चुका है। परमाणु पनडुब्बी निर्माण के क्षेत्र में अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन के बाद भारत छठे देश की कड़ी में शामिल हो गया है।

अतएव, अच्छा है कि भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ाने का अहम फैसला लिया है। इससे भारतीय कंपनियों की हौसला अफजाई होगी। हमारे नवोन्मेषी वैज्ञानिक व इंजीनियरों को राष्ट्र के लिए कुछ अनूठा कर दिखाने का गौरव हासिल होगा। देश में व्यक्तिगत उपयोग वाली पिस्तौलें और सेना के लिए राइफलें भारत में बनती हैं। हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने हल्के लड़ाकू विमान 'तेजस' का निर्माण भी किया है। टाटा, महिंद्रा और लार्सन एंड टुब्रो कंपनियां मध्यम मारक क्षमता वाली राइफलें बनाती हैं। यदि इन कंपनियों को सर्विलांस, राडार और साइबर संबंधी सामग्रियों का बाजार मिलता है तो इनके निर्माण में भी ये कामयाबी हासिल कर लेंगी।

वाकई हमें रक्षा उत्पाद के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना है तो हम उन्हें आकर्षक सुविधाएं और करों में छूट देकर रक्षा उपकरणों के उत्पादन से जोड़ सकते हैं। जब टाटा उच्च गुणवत्ता के ट्रक बना सकते हैं तो टैंक क्यों नहीं बना सकते ? अंबानी संचार के क्षेत्र में सेना के लिए उपयोगी उपकरण बना सकते हैं। रक्षा क्षेत्र में यह अत्यंत दयनीय स्थिति है कि ताबूत तक हमें आयात करने होते हैं, जबकि बढ़ईगिरी के इस काम में किसी प्रकार की आधुनिक व दुर्लभ तकनीक की जरूरत नहीं पड़ती है। यदि भारत रक्षा उपकरणों व हथियारों के निर्माण में आत्मनिर्भर हो जाता है तो उपग्रह प्रक्षेपण की तरह इनके निर्यात के रास्ते खुल जाएंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अंग्रेजों ने रचा था भारत में जाति, धर्म और रंग के संघर्ष का षड्यंत्र

–रमेश शर्मा–इन दिनों पूरे देश में अचानक वर्ग, वर्ण, समाज, जाति, धर्म और पंथ प्रतिद्वंद्विता के समाचार बढ़ने लगे हैं। कहीं–कहीं तो सड़क पर संघर्ष की घटनाएं भी घटी हैं। इसमें विदेशी घुसपैठ वाले सीमा प्रांतों में ही नहीं मध्य प्रदेश जैसे शाँति के टापू कहे जाने वाले राज्य में भी ऐसी घटनाएं घटीं हैं। भारत में वर्ग–उप वर्ग, जाति, भाषा और पंथ के ऐसे संघर्ष का षडयंत्र अंग्रेजों ने रचा था। जो अंग्रेजों की विदाई के 73 वर्ष बाद भी खूब फल–फूल रहे हैं। कुछ व्यक्ति और कुछ संगठन योजनाबद्ध ऐसे अभियान चला रहे हैं और जिनसे सामान्य जनों को उलझा रहे हैं।

हम स्वाधीनता का अमश्त महोत्सव मना रहे हैं। अमश्त महोत्सव यानी अमश्तत्व की ओर यात्रा का उत्सव। कोई भी स्वाधीन राष्ट्र अमश्तत्व की ओर कब अग्रसर होता है ? जब उसमें स्वत्व और स्वाधीनता का भाव प्रबल होता है । भारत में स्वत्व का अतीत सामाजिक एक जुटता में निहित है, भावनात्मक समरसता निहित है, लेकिन भारत में इसके विपरीत काम हो रहा है । जिन विघटनकारी नीतियों और बातों की बदौलत विदेशियों ने अपने पैर जमाये थे, आज उसी विभाजनकारी राहों पर कुछ व्यक्ति और संगठन चल रहे हैं । वे वर्ग, वर्ण, समाज और धर्म के आधार पर गोलबंदी की ऐसी बातें करते हैं जिससे समाज और राष्ट्र को ही नहीं स्वयं उनका भी अहित होने वाला है। आज वे ऐसी ही विभेद उत्पन्न करने वाले विषयों में ही अपनी सफलता और सशक्तता मान रहे हैं। इसीलिए वे पूरी शक्ति से यही प्रतिबिंब उभारने में सारी शक्ति लगाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि विभाजन की इस राजनीति से देश को कितना नुकसान हुआ है।

इसका जन्म अंग्रेजों ने इसलिये दिया था कि वे संख्या में कम थे। यदि वे विभाजनकारी नीतियों की नींव न रखते तो लगभग दो सौ साल तक शासन न कर पाते। भारतीय एकजुट रहते तो यहाँ उनकी दाल नहीं गल सकती थी। इसलिये उन्होंने पहले अपने एजेंट तैयार किये, जिन्होंने देश में विभाजन और वैमनस्य का सामाजिक और सार्वजनिक वातावरण बनाया। फिर विभिन्न जाति, समाज और पंथ के विभाजन को स्थायी बनाने वाले कानून बनाये। और भारतीय जनमानस उनमें फंसता चला गया। उन कानूनों के पीछे के षड्यंत्र को समझकर जो लोग संघर्ष के लिये सामने आये उनके संघर्ष के कारण ही भारत स्वतंत्र हो सका। लेकिन आज कुछ शक्तियाँ उनके बलिदान से मिली स्वाधीनता यह विभेद वाली बातें ग्रहण लगा रहीं हैं। समाज, वर्ग, वर्ण या धर्म के पृथक–पृथक संगठन होना अनुचित नहीं है। इन संगठनों में यदि स्वस्थ और सकारात्मक स्पर्धा हो तो इससे देश गतिमान होगा। हमारी स्वाधीनता का अमृत महोत्सव और प्रकाशमान होगा। लेकिन समाज में विभेद होगा उनमें आक्रामकता से भरी स्पर्धा होगी हो, तो यह राष्ट्र की स्वाधीनता को संकट उत्पन्न करते हैं। इस समय जो रहा है वह स्वाधीनता की अमृत यात्रा में अवरोध होंगे।

आज इस विभाजनकारी बातों का सबसे अधिक शोर उत्तर प्रदेश में हो रहा है। वहां पांच महीने बाद विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। कुछ व्यक्तियों और संगठनों को लगता है कि वे जाति, वर्ग उपवर्ग और धार्मिक आधार पर भावनाएँ भड़का कर ही लोगों को संगठित कर पायेंगे, उत्तर प्रदेश की सत्ता को प्राप्त करने के लिये इसी को स्वर्ण पथ मान रहे हैं। इसलिये वे खुलेआम वर्ग, वर्ण, जाति और धर्म की आवेशात्मक बातें कर रहे हैं। कोई मुसलमानों को एकजुट करने में लगा है तो कोई वनवासी समाज को, कोई दलित समाज को, तो कोई ब्राह्मणों को एकजुट होने का आह्वान कर रहा है तो कोई यादव और पिछड़े समाज की बात कर रहा है। एक देश, एक प्रदेश और एक समग्र समाज की बात मानों गायब हो गयी है।

उत्तर प्रदेश में चुनाव होने वाले हैं इसलिये वहाँ भाषणों में इस गर्मी को माना जा सकता है लेकिन मध्य प्रदेश में तो विधानसभा चुनाव अभी बहुत दूर है फिर भी यहाँ ऐसी गर्मी पैदा की जा रही है, तनाव और टकराव का वातावरण बनाया जा रहा है। ऐसा माहौल महाकौशल, बुन्देलखण्ड और मध्यभारत में दिखने लगा है। इन क्षेत्रों में पिछले पन्द्रह दिनों में दर्जन भर ऐसी घटनाएं घट चुकीं हैं जहां पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। कोई कल्पना कर सकता है कि क्षत्रिय समाज के ही दो उप वर्ग हाथों में हथियार लेकर सड़क पर डटे और पुलिस को बीचबचाव करना पड़े, प्रशासन को धारा 144 लगानी पड़े। यह सब मध्य प्रदेश के मुरैना में हुआ जहाँ गुर्जर समाज और राजपूत समाज लामबंद हो गये। उनमें संघर्ष इस बात पर हुआ कि राजा मिहिर सेन गुर्जर थे या राजपूत। वहीं महाकौशल क्षेत्र में वनवासी बंधुओं को नगरवासियों के विरुद्ध लामबंद किया गया, रोज नयी सभायें हो रही हैं। प्रशासन को अपनी सक्रियता बढ़ानी पड़ी।

वनवासियों और नगरवासियों में संघर्ष कराने का षडयंत्र अंग्रेजों ने 1804 के आसपास ईसाई मिशनरियों के माध्यम से आरंभ किया था। बाद में वामपंथी भी इसी मार्ग पर चले। भारत में यह अंग्रेजों ने स्थापित किया कि भारत के वनवासी मूल निवासी हैं, और नगरवासी बाहरी। इसके लिये उन्होंने वनवासियों के लिये ट्राइब शब्द गढ़ा जिसे उन्होंने हिन्दी में आदिवासी कहा। जबकि नगरवासियों को बाहरी बताने के लिये आर्यों की कहानी गढ़ी। आर्य शब्द ऋग्वेद से आया है। ऋग्वेद में आर्य आदर्श नागरिकता का प्रतीक है। सत्य धर्म, अहिंसा और परोपकार पर चलने वाले नागरिकों का प्रतीक। तभी ऋग्वेद में उद्घोष किया गया कि विश्व को आर्य बनाना है। लेकिन अंग्रेजों ने आर्य को एक नस्ल बताना शुरू किया। ऐसी नस्ल जो आक्रमण करके भारत में घुसी। यह प्रचार भारत के सभी वनक्षेत्र एक समान हुआ। लगभग सभी मिशनरी कार्यकर्ताओं के शब्द शैली एक सी थी मानों वनवासियों में यह प्रचार करने के लिये मिशनरियों ने कोई प्रशिक्षण लिया हो। अंग्रेजों ने यह रणनीति अपने पचास वर्ष के अनुभव के बाद बनाई थी।

1757 में प्लासी युद्ध के बाद अंग्रेजी सत्ता मजबूत हुई और 1803 में दिल्ली सल्तनत के पतन के साथ वे लगभग पूरे देश के शासक बन गये । प्लासी से दिल्ली तक की यात्रा में अंग्रेजों को वनवासियों के तगड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा । उन्होंने अपने संघर्ष में भय और लालच में बहुत लोगों अपने पक्ष में किया यहाँ तक कि उनकी सेना में बहुत बहुत भारतीयों का हो गया लेकिन वे वनवासियों को नहीं तोड़ पाये । इसीलिये उन्होंने अपने दुष्प्रचार का लक्ष्य वनवासियों को बनाया। उन्हें अपनी सत्ता स्थायी बनानी थी, भारत वासियों के प्रतिरोध और संघर्ष की धार कम करनी थी। इसके लिये रणनीति चर्च ने तैयार की। 1804 में कलकत्ता, मुम्बई और मद्रास के चर्च ने सर्वेक्षण आरंभ किया । यह सर्वेक्षण लगभग दो वर्ष चला । इस सर्वेक्षण के बाद ही ईसाई मिशनरियाँ वन क्षेत्र में सक्रिय हुई।

अंग्रेज यहीं तक न रुके उन्होंने एक और रणनीति बनाई। अपने प्रशिक्षित लोगों को पुरातत्व सर्वेक्षण के काम में लगाया और इसे आधार बनाकर भारत के इतिहास को नये सिरे से लिखने का काम। उन दिनों के बंगाल में आज का बिहार और उड़ीसा प्रांत भी में शामिल था। कलकत्ता चर्च से जुड़ी मिशनरियाँ इन क्षेत्रों में सक्रिय हुई। और मुम्बई के चर्च ने महाराष्ट्र के साथ मध्य प्रदेश के महाकौशल और मालवा तक अपने पैर फैलाये जबकि मद्रास के चर्च ने केरल, तमिलनाडु आदि को अपने हाथ में लिया । भारत के जंगलों में सक्रिय मिशनरियों ने एक ओर अंग्रेजी सत्ता को मजबूत करने के लिये विभाजन कारी बातें फैलाना आरंभ किया और दूसरी ओर धर्मांतरण करके वनवासियों को ईसाई बनाने का अभियान चलाया।

चर्च को लगता था कि यदि वनों का ईसाईकरण हो जाये तो वनवासी अंग्रेजों की सत्ता के समर्थन में आ जायेंगे और समूची वन संपदा पर अंग्रेजों का अधिकार हो जायेगा। चर्च का अभियान तेज चले इसके लिये अंग्रेजों ने एक कानून बनाया और कहा– वनवासियों का अपना कोई धर्म ही नहीं है। यदि वे ईसाई बनते हैं, चर्च में जाते हैं तो यह उनका धर्मान्तरण नहीं है बल्कि धर्म के मार्ग पर चलने की शुरुआत है । वनवासियों को शेष भारतीय समाज से अलग करने के लिये उन्होंने सबसे पहले रंग को आधार बनाया। उनका तर्क था वनवासी काले हैं और नगरवासी गोरे। हालांकि भारत में रंग को लेकर कोई विभाजन न था। सभी रंग के लोग भारत में मिलते हैं । एक ही घर में दो रंग के लोग मिल जाते हैं । रामजी का रंग साँवला और लक्ष्मण जी का रंग गोरा है। भारत में एक देवी कालिका जी हैं। एकदम काला रंग। लेकिन अंग्रेजों का प्रचार इतना प्रबल था, कि भारतीय जनों का विवेक शून्य ही हो गया। वे अंग्रेजों की चला में फंसने लगे। वहीं पुरातत्व सर्वेक्षण के नाम पर इतिहास लेखन हुआ उसमें विभिन्न वर्गों और उप वर्गों में नकारात्मक प्रतिद्वंद्विता पैदा होने लगी। कहीं ब्राह्मणों को दलित समाज के विरुद्ध तो दलित समाज को अन्य वर्गो के विरुद्ध भड़काया । बात यहाँ तक ही न रुकी । क्षत्रिय समाज के भी दो उपवर्गो को सामने सामने खड़ा कर दिया। उम्मीद की जा रही थी कि अंग्रेजों के जाने के बाद उनके षडयंत्र उनके साथ ही चले जायेंगे । लेकिन उनके जाने के 72 साल बाद भी उनके द्वारा रोपी गयीं विष बेलें फैल रही हैं । यह विभाजन वादी प्रचार का ही परिणाम है कि यदि उत्तर प्रदेश के तीन स्थानों पर यादव और, ब्राह्मणों के बीच में खिंचाव उत्पन्न हुआ तो मध्य प्रदेश के मुरैना में गुर्जर और राजपूत समाज आमने सामने आ डटे । प्रशासन को धारा 144 लगाना पड़ी। वहीं छतरपुर में यादव समाज और करणी सेना आमने–सामने है तो सागर के एक गाँव में एक प्रेम प्रसंग के चलते हुई दुर्घटना ने यादव और ब्राह्मणों के बीच वैमनस्य पैदा कर दिया।

किसी एक व्यक्ति द्वारा कोई अपराध करना या मर्यादा हनन करना एक बात है लेकिन उस व्यक्ति या घटना के बहाने समाज को एक जुट करके आक्रामक बनाना बिल्कुल दूसरी बात । इन दिनों भारत में यही सब हो रहा है। जाति, रंग, धर्म क्षेत्र और भाषा के आधार पर बांटने का काम हो रहा है। हम यह समझ ही न पा रहे कि अंग्रेजों ने तो बाकायदा 'बाँटो और राज करो' का मंत्र तैयार किया था । लेकिन उनके जाने के बाद तो इस नारे और इस नीति को धरती के भीतर गाढ़ दी जाने चाहिए थी । लेकिन कुछ लोगों ने इसे सहेज कर रखा हुआ है । और पद प्रतिष्ठिता प्रभाव बढ़ाने के लिये यही फार्मूला अपनाया जा रहा है । यदि कोई सभी 'भारतीयों के एक डीएनए' होंने की बात कह दे तो उस पर हमले होते हैं । शाब्दिक और आरोपात्मक हमलों की बाढ़ आ जाती है । कोई 'सबका साथ सबका विकास' का नारा लगाये तो शोर किया जाता है। इतना शोर कि कुछ साफ न दिखाई दे न सुनाई दे।

एक आश्चर्यजनक बात यह है कि वामपंथी भले पूरी दुनियाँ में साम्यवाद का नारा लगायें लेकिन वे भारत वर्ण संघर्ष का ताना बाना बनाते हैं । तालिबानी मानसिकता के लोग भी सनातनी समाज के दो फाड़ करने के लिये दलित मुस्लिम एकजुटता का नारा लगाते हैं। यदि इस प्रकार विभाजन के नारे लगे, वर्ग वर्ण और समाज को बांटने के नारे लगेंगे तो कैसे स्वाधीनता का अमश्त महोत्सव सार्थक होगा। स्वाधीनता केवल राजनैतिक नहीं हो सकती, केवल सत्ता प्राप्त करने भर के लिये संघर्ष न हुआ था। संघर्ष स्वाधीनता के लिये हुआ था। उस संघर्ष में कोई भेद न था। भला चंद्रशेखर आजाद ने भगतसिंह को जाति धर्म पूछकर अपने समूह में सम्मिलित किया था या सुखदेव और राजगुरु ने अशफाकउल्ला से जाति धर्म पूछा था ? या रानी लक्ष्मीबाई झलकारी देवी ने। या मिहिर सेन के संघर्ष में क्या केवल गुर्जर या राजपूत ही थे ? शिवाजी महाराज के संघर्ष में भी सभी थे। महाराणा प्रताप के साथ प्राण देने वाले अधिकांश सैनिक भील वनवासी थे। तब इन वीरों और बलिदानियों के नाम पर वर्ग वर्ण भेद की बात क्यों होती है। लेकिन कुछ ऐसी बातें करते हैं। ऐसे अभियान चलाते हैं। वह केवल इसलिये कि स्वतंत्रता के बाद से अबतक के वर्षों में अंग्रेजों के षडयंत्र को उजागर तो किया गया पर इतना पुरजोर नहीं कि समाज उस षडयंत्र के सत्य को समझ सके। आज हम जब स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो उत्सव मनाने के साथ षडयंत्र के तत्व भी उजागर होने चाहिये तभी भारतीय स्वाधीनता के अमृतत्व की यात्रा सफल होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

नवरात्रि : नौ शक्तियों का मिलन पर्व

–योगेश कुमार गोयल–

भारतीय समाज और विशेषकर हिन्दू समुदाय में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिवर्ष आश्विन मास में शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्र का आरंभ होता है और लगातार नौ दिनों तक आदिशक्ति जगदम्बा का पूजन किया जाता है।

शारदीय नवरात्र इस वर्ष 7 अक्तूबर से शुरू हो रहे हैं और इनका समापन 15 अक्तूबर को होगा। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना–अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव–जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वश्द्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष–बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र–शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्न जड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुई अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्न जड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्ज्वल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की–सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमल दल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनत कुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि–मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग–रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़ कर दूसरे हाथ में खड्ग–तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव–जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख–शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बेटे के बिगड़ने का जिम्मेदार कौन

–आर.के. सिन्हा–

शाहरुख खान के पुत्र आर्यन को क्रूज पर ड्रग्स पार्टी के मामले में हिरासत में लिए जाने के बाद कई तरह की बातें हो रही हैं। कहा जा रहा है कि शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान ने अपने बेटे आर्यन खान का लालन–पालन सही से नहीं किया जिससे वह एक बेहतर नागरिक बन पाता। बेशक, इस तरह की चर्चा करना फिलहाल सही नहीं है। अभी तो बस शाहरुख खान से देश इतनी भर उम्मीद करता है कि वे कानून को अपना काम करने देंगे। अगर आर्यन पर आरोप साबित नहीं होंगे तो वह रिहा हो ही जाएगा। शाखरुख खान यकीनन भारत की महत्वपूर्ण शख्सियत हैं। सारा देश उन्हें कलाकार के रूप में चाहता है। उनका संबंध एक स्वाधीनता सेनानी परिवार से रहा है। उनके पिता ताज मोहम्मद खान स्वाधीनता सेनानी थे। मोहम्मद अली जिन्ना की अगुवाई में मुस्लिम लीग का पृथक इस्लामी राष्ट्र का सपना 14 अगस्त 1947 को पूरा हो गया। लेकिन ताज मोहम्मद जैसे बहुत से मुसलमानों को जिन्ना का पाकिस्तान मंजूर नहीं था। इन्हें मुसलमान होने के बाद भी इस्लामी मुल्क का नागरिक बनना नामंजूर था। बस, इसीलिए ताज मोहम्मद पाकिस्तान छोड़कर भारत आ गए थे। ताज मोहम्मद खान सरहदी गांधी कहे जाने वाले खान अब्दुल गफ्फार खान के शिष्य थे। उन्होंने इस्लामी राष्ट्र की बजाय धर्मनिरपेक्ष देश का नागरिक बनना पसंद किया। आप समझ सकते हैं कि शाहरुख खान कितने अहम परिवार से आते हैं। उनकी देशभक्ति पर सवाल उठाना सरासर भूल होगी। उन्होंने करगिल की जंग के समय भारत के तब के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए 25 लाख रुपए भी दिए थे। यह सन 2000 की बात है।

बहरहाल, शाहरुख खान से पहले भी कई नामवर हस्तियों की अपनी संतानों की हरकतों के कारण शर्मसार होना पड़ा है। गांधीजी के सबसे बड़े पुत्र हरिलाल गांधी की कभी अपने पिता से नहीं बनी। उनके बापू से कई मसलों पर गहरे मतभेद रहे। वे उच्च शिक्षा लेने के लिए ब्रिटेन जाना चाहते थे। वे भी अपने पिता की तरह बैरिस्टर बनने का ख्वाब रखते थे। पर बापू नहीं चाहते थे कि हरिलाल पढ़ने के लिए ब्रिटेन जाएं। इन्हीं सब वजहों के चलते उनकी और बापू से दूरियां बढ़ती गईं। कहने वाले कहते हैं कि हरिलाल वेश्यागामी भी थे। नशा भी करते थे।

महात्मा गांधी और हरिलाल के संबंधों पर कुछ साल पहले एक फिल्म 'गांधी, माई फादर' भी आई थी। उसमें बापू और उनके विद्रोही बड़े बेटे के कलहपूर्ण रिश्तों को दिखाया गया था। फिल्म पिता और पुत्र के बीच आदर्शों की लड़ाई को दिखाती थी। फिल्म 'गांधी, माई फादर' भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की नहीं, बल्कि हरिलाल और उनके पिता मोहनदास करमचंद गांधी की कहानी है। गांधीजी ने हरिलाल की गलत हरकतों पर उन्हें संरक्षण नहीं दिया। इसलिए ही वे देश के आदर्श बने।

माफ करें, इस मोर्चे पर फिल्म अभिनेता सुनील दत्त कमजोर साबित हो गये थे। उनका पुत्र और खुद मशहूर एक्टर संजय दत्त 1993 के मुम्बई में हुए बम विस्फोटों का गुनाहगार था। मुंबई बम विस्फोट में 270 निर्दोष नागरिक मारे गए थे और सैकड़ों जीवन भर के लिए विकलांग हो गए थे। सैकड़ों करोड़ की संपत्ति नष्ट हो गई थी। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई कई दिनों तक पंगु हो गई थी। उन धमाकों के बाद मुंबई में पहले वाली रौनक और बेखौफ जीवन कभी रही ही नहीं।

दरअसल 12 मार्च, 1993 को मुंबई में कई जगहों पर बम धमाके हुए थे। जब वो भयानक धमाके हुए थे तब मुंबई पुलिस के कमिश्नर एम.एन. सिंह थे। सरकार कांग्रेस की थी पर पुलिस कमिश्नर कड़क अफसर थे। उन्होंने एकबार कहा भी था कि यदि संजय दत्त अपने पिता सुनील दत्त को यह जानकारी दे देते कि उनके पास हथियार हैं तो मुंबई में धमाके होते ही नहीं। उनका कहना था कि यह जानकारी सुनील दत्त निश्चित रूप से पुलिस को दे देते। लेकिन संजय दत्त ने यह नहीं किया। काश! संजय दत्त ने उपर्युक्त जानकारी अपने पिता को बताई होती तो मुंबई तबाह होने से बच जाती। तब सैकड़ों मासूम लोग नहीं मरते, हजारों करोड़ की संपत्ति भी तबाह न होती।

मुंबई धमाकों के आरोपियों पर सुप्रीम कोर्ट तक में लम्बा केस चला था। उस केस की सुनवाई करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने संजय दत्त को गुनाहगार माना था। संजय दत्त ने अपने बचाव में तमाम दलीलें दी, बड़े–बड़े नामी गिरामी वकीलों को लाखों की फीस देकर खड़ा किया, पर उनकी दलीलों को कोर्ट ने सिरे से खारिज किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने संजय दत्त को छह बरस की कठोर कारावास की सजा सुनाई। संजय दत्त को अबू सलेम और रियाज सिद्दीकी से अवैध बंदूकें प्राप्त करने, उन्हें अपने घर में रखने और अंत में विस्फोट और दंगे के बाद नष्ट करने की कोशिश का दोषी माना गया था। कोर्ट में पेश साक्ष्यों के आधार पर ये हथियार उसी जखीरे का हिस्सा थे, जिन्हें बम धमाकों और मुंबई पर हमले के दौरान इस्तेमाल करने के लिए पाकिस्तानी आतंकियों के माध्यम से मंगवाया गया था।

संजय दत्त ने कोर्ट में दिए अपने बयान में कहा था, 'मैं अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित था। इन अवैध और तस्करी कर लाये हथियारों को रखने का यही कारण था। मैं घबरा गया था और कुछ लोगों के कहने में आकर मैंने ऐसा किया।' अफसोस कि एक्टर से कांग्रेस के नेता और फिर यूपीए सरकार में मंत्री रहे सुनील दत्त ने भी अपने लाडले को बचाने के लिए हरचंद कोशिश की थी। उनका इस तरह का आचरण देशभर के अधिकांश लोगों को पसंद नहीं आया था। वे एक तरफ तो शांति और भाईचारे की बातें करते थे और दूसरी तरफ अपने तमाम गंभीर आरोपों में फंसे पुत्र को बचाने की कोशिश कर रहे थे।

अब शाहरुख खान को भी अपना उदाहरण पेश करना होगा। उन्हें इस सारे मामले में तटस्थ रवैया अपनाना होगा, ताकि कानून आर्यन के साथ न्याय करें। अगर वे यह करते हैं तो उनके प्रति देश का आदर का भाव बढ़ेगा ही। फिलहाल सारे देश की शाहरुख खान और उन अभिभावकों के साथ सहानुभूति तो जरूर ही है, जिनके बच्चे नशे का शिकार हो जाते हैं।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

सरकारी विद्यालयों के अध्यापक अपने बच्चों को स्वयं पढ़ाते हैं प्राइवेट स्कूलों में

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। जिला लखीमपुर खीरी के सभी सरकारी विद्यालयों के मास्टरों के बच्चे जाते हैं प्राइवेट स्कूलों में आखिरकार ऐसे क्यों है।क्योंकि सरकारी मास्टरों को खुद पता है कि सरकारी विद्यालयों में कैसी पढ़ाई होती है इस लिए वो अपने बच्चो को अच्छे से अच्छे प्राइवेट स्कूलों में दाखिला कराते हैं और खुद दूसरे के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते है। जबकि होंना ये चाहिए कि जितने भी अध्यापक सरकारी विद्यालयों में पढ़ाते है उनके बच्चे भी उन्ही के स्कूलो में अध्यन करें जिससे उनको ये तो अभ्यास ही होगा कि हम दूसरों के बच्चों को क्या शिक्षा दे रहे है। आखिरकार प्राइवेट स्कूलो में क्या होता है जो सरकारी स्कूलों में नही होता। प्राइवेट विद्यालयों में अध्यापको के क्लास रूम में जाने से पहले उनके फोन को जमा कर लिया जाता है।जिससे बच्चों को पढ़ाते समय कोई भी दिक्कत न आये यही सरकारी स्कूल में अध्यापक बच्चों को पढ़ाते समय फोन पे बात करना कमरे में बैठ कर

फोन चलाना बच्चों की तरफ कम ध्यान देना। इसका साफ तात्पर्य यह है कि उनके खुद के बच्चे बाहर स्कूलों में पढ़ाई कराते है और उन्हें पता है कि जो बच्चे प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने आते है । वो सिर्फ उन गरीबो के बच्चे होते है जो अपने बच्चों को बाहर नही पढ़ा सकते। उनको अच्छी शिक्षा देने की बजाये ये सोचा जाता है। कि ये आगे कहाँ पढ़ेंगे ही केवल वजीफा ड्रेस और मिड्डे मील के लिए स्कूल में आते है। अगर ये बात अध्यापक सोचेंगे तो बच्चें कैसे आगे बढ़गे। जिला अधिकारी महोदय ,खण्ड शिक्षा अधिकारी महोदय इस विषय पर आप विशेष ध्यान दीजिए जिससे उन गरीबों घरो के बच्चे भी आगे बढ़ने का मौका मिल सके।

बस्ती में बस पलटी, 13 लोग घायल

बस्ती (वेब वार्ता)। बस्ती जिले की पुलिस चौकी फुटहिया के पास शुक्रवार सुबह अमहट पुल से टकराकर सवारियों से भरी बस के पलट जाने से 13 लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार सिद्धार्थनगर जिले की बस चार अक्टूबर की शाम को मुंबई से पुणे होते हुए सिद्धार्थनगर तथा बलरामपुर जिले से यात्रियों को लेकर चली थी। बस में लगभग 100 यात्री सवार थे। सभी यात्री सिद्धार्थनगर और बलरामपुर जिले के थे। शुक्रवार सुबह बस अमहट पुल से टकराकर पलट गयी जिसमें 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना के बाद मौके पर पहुंची कोतवाली व नगर पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को निकाला। इनमें से 12 पुरुष और एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

लखीमपुर खीरी के दोषियों पर अगर नहीं हुई कार्यवाही तो करेंगे आत्मदाह – के.के. शर्मा

अवध की आवाज

लखनऊ। लखीमपुर खीरी किसान नरसंहार सरकार द्वारा सुनियोजित नरसंहार है और यह किसी भी मामले में जलियाँवाला बाग नरसंहार से कम नहीं है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) और इसके माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री शरद पवार इस दुर्भाग्यजनक घटना पर खेद व्यक्त कर चुके हैं और इसकी निंदा कर चुके हैं। सरकार किसानों पर कितना भी जुल्म कर ले, वो उनकी आवाज को नहीं दबा पायेगी। यह जानकारी (एन.सी.पी.)के राष्ट्रीय महासचिव श्री के.के. शर्मा ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में देते हुए कहा कि एन.सी.पी. की माँग है कि 15 दिन के भीतर अगर दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता तो आज से 15 दिन बाद मैं स्वंय राष्ट्रीय महासचिव के के शर्मा, पार्टी के प्रदेश, अध्यक्ष श्री उमाशंकर यादव, राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर श्री पारसनाथ तिवारी, प्रदेश महासचिव श्री अब्दुल बासित विधानसभा के सामने लोक भवन पर आत्मदाह कर लेंगे। पत्रकार वार्ता में श्री शर्मा ने कहा कि आज देश का अन्नदाता, मेहनतकश किसान काफी डरा हुआ है। यह वही महान देश भारत है जो कृषि प्रधान देश कहलाता है और जहाँ का किसान दुखी है। लखीमपुर खीरी नरसंहार इसका जीता जागता उदाहरण है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री शरद पवार जी को किसानों की काफी चिन्ता है। उनके द्वारा किसानों के हित में अनेक कार्य किए गए। केन्द्रीय कृषि मंत्री रहते उन्होंने किसानों के 70,000 करोड़ रूपए माफ किए थे। उन्होंने किसानों के हित में आयात–निर्यात से सम्बन्धित भी कई साहसिक फैसले लिए थे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष उमाशंकर यादव ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.)किसानों के साथ आखिरी दम तक रहेगी। किसी भी व्यक्ति या किसान का जीवन अमूल्य है। लखीमपुर खीरी में जिन किसानों का नरसंहार हुआ है, जब तक उन्हें पूर्ण रूप से न्याय नहीं मिलेगा तब तक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) उनके हित में लड़ाई लड़ती रहेगी और एन.सी.पी. किसानों को न्याय दिलाकर ही दम लेगी। समाज अच्छी तरह से जानता है कि किसी के जीवन का मूल्य 45 लाख या 50 लाख रुपए नहीं हो सकता, जीवन अमूल्य है। हमने स्वयं अपने प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ जाकर दिनांक 4 अक्टूबर, 2021 को लखीमपुर खीरी का दौरा किया था और वहाँ की स्थिति का आकलन किया था। इस मौके पर विधि विभाग चेयरमैन गंगा सिंह, अनुसूचित जातिध जनजाति प्रदेश अध्यक्ष श्री महेश गौतम, प्रदेश महासचिव श्री नवीन निश्चल निगम, प्रदेश महासचिव रामप्रीत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष श्री श्रवण कुमार अवस्थी, व अन्य लोग महजूद थे।

मंत्री के बेटे को तलब करना औपचारिकता है, निष्पक्ष जांच के लिए वह इस्तीफा दें : अखिलेश

लखनऊ, (वेब वार्ता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि गृह राज्य मंत्री के बेटे को पूछताछ के लिए सम्मन भेजना औपचारिकता है और निष्पक्ष जांच के लिए मंत्री को इस्तीफा दे देना उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अपने नेताओं द्वारा किए गए अपराधों को छिपाती है और पार्टी में गुलदस्ते के साथ उनका स्वागत करती है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला करते हुए कहा, वीडियो

चाहिए। यादव ने लखीमपुर हिंसा में मारे गए दो किसानों के परिवारों से मिलने के लिए बहराइच रवाना होने से पहले शुक्रवार को अपने आवास के बाहर पत्रकारों से कहा, अजय मिश्रा के बेटे को सम्मन भेजना एक औपचारिकता है। उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद सरकार जागी है। मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए अन्यथा उनसे पूछताछ करने वाले अधिकारी को पहले उन्हें सलाम मारना होगा और फिर सवाल पूछना होगा और जाने से पहले उन्हें फिर से सलाम करना होगा। मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा के नेपाल भाग जाने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर अखिलेश ने कहा कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, अगर यह सच है, तो केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और आरोपी को नेपाल से गिरफ्तार करवाना चाहिए। और सबूत आ रहे हैं और प्रत्यक्षदर्शी यह बता रहे हैं कि किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ाने के पीछे मंत्री का बेटा था। यह 'दमदार' (मजबूत) सरकार, जैसा कि इसके विज्ञापनों में दावा किया गया है, केवल 'ताकतवार' लोगो के लिए है। उन्होंने कहा कि अगर सपा सत्ता में आती है तो सरकार किसानों को करोड़ों रुपये की मदद देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास किसान परिवारों के लिए दो करोड़ रुपये नहीं हैं। अखिलेश ने बश्हस्पतिवार को लखीमपुर का दौरा किया था और हिंसा में मारे गए दो किसानों और एक पत्रकार के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी। गौरतलब है कि पिछले रविवार (तीन अक्टूबर) को लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी।

बुद्धिजीवी सम्मेलन के साथ सेवा एवं समर्पण अभियान का हुआ समापन

अवध की आवाज ब्यूरो

जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश। भारतीय जनता पार्टी का सेवा और समर्पण अभियान जोकि १७ सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुआ था उसका समापन। ७ अक्टूबर को हुआ। ७ अक्टूबर २००१ को नरेन्द्र मोदी जी ने पहली बार। मुख्यमंत्री के रूप मे गुजरात मे सत्ता सम्हाली थी। मोदी जी के नेतृत्व। के २० वर्ष पूरे होने पर एक बुद्धिजीवी संगोष्ठी का आयोजन होटल नीलम पैलेस विंधयनगर मे सम्पन्न हुआ। सेवा एवं समर्पण अभियान के समापन के अवसर पर आयोजित इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप मे भाजपा के प्रदेश महामंत्री माननीय रणवीर सिंह रावत जी उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल जी द्वारा की गई। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे विधायक सुभाष रामचरित वर्मा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरीश द्विवेदी, राजेंद्र मेश्राम, रामनिवास शाह, राम सुमिरन गुप्ता,पूर्व निगम अध्यक्ष चंद्र प्रताप विश्वकर्मा, वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता राम बहादुर दुबे, डा. डी के मिश्रा, वशिष्ठ पांडे, अधिवक्ता रविन्द्र शाह मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ। अपने प्रभावी वक्तव्य के माधयम से मुख्य अतिथि रावत जी द्वारा पिछले २० वर्षों मे मोदी जी द्वारा मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के रूप मे किये गये ऐतिहासिक कार्यो एवं निर्णयों की विस्तृत रूप रेखा प्रस्तुत की गई। माननीय रावत जी ने मोदी जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुये कहा कि कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनको इतिहास के पन्नों मे भी समेटा नहीं जा सकता , मोदी जी ऐसे ही अद्वितीय प्रतिभा के व्यक्ति हैं, एक संघ के प्रचारक से लेकर संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुये मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप मे मोदी जी ने स्वयं को राष्ट्र के लिये समर्पित कर दिया हैं। मोदी जी के ऐतिहासिक एवं साहसिक निर्णयों के कारण ही आज उनकी प्रतिभा का लोहा पूरा विश्व मानता हैं, आज मोदी जी एक राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि एक वैश्विक लीडर के रूप में स्थापित हो चुके हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रुप मे गुजरात को देश का अग्रणी राज्य बनाने के बाद जब मोदी जी ने देश का नेतृत्व अपने हांथ मे लिया था तब देश की आंतरिक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय छवि दयनीय हो चुकी थी, पुरानी यू पी ए की सरकार अपने घोटालों के लिये पूरे विश्व मे कूख्यात थी। मोदी जी ने अपने नेतृत्व क्षमता के बल पर आज भारत की क्षवि को वैश्विक स्तर पर निखारने का अद्वितीय कार्य किया है। मोदी जी के ऐतिहासिक निर्णयों के चलते आज देश का परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। अपनी जनकल्याणकारी नीतियों की बदौलत मोदी जी ने भारत के आम आदमी को भी विकास की मुख्यधारा से जोडाध है। चाहे वो करोंडो गरीबों के जनधन खाते के माध्यम से हो, चाहे उज्वला योजना से हर गरीब परिवार को गैस कनेक्शन उपलब्धा करवाना हो, चाहे सारी योजनाओं को आधार से लिंक करने का कार्य हो , चाहे आयुष्मान भारत से देश के करोड़ों गरीबों लोगों को निरूशुल्क चिकित्सा उपलब्ध कराने का कार्य हो, चाहे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से देश के करोड़ों गरीबों को भोजन उपलब्ध कराने का कार्य हो ये सभी निर्णय अपने आप मे अद्वितीय हैं। अब से पहले जिन चीजों की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी उन कार्यों को धरातल पर साकार करने का कार्य मोदी सरकार ने किया है चाहे पूरे देश मे विश्व स्तर की सड़कों का जाल बिछाया जा रहा हो , रेलवे के नेटवर्क को

बढाने का कार्य हो, चाहे जल जीवन मिशन के माध्यम से हर घर को पानी उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा हो , ऐसे ऐतिहासिक कार्य भारत मे पहले कल्पनाशील लगते थे किंतु आज सार्थक होते दिख रहे हैं। वैश्विक स्थर पर गिरती भारत की साख को मोदी जी ने पुनः वैश्विक स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है , जम्मू–कश्मीर से धारा ३७० को विलोपित करने का अदम्य साहस मोदी सरकार ने ही किया है, आतंकवाद और नक्सलवाद अपनी समाप्ती की ओर हैं। भारतीय सेना के पाकिस्तान मे घुसकर एयर स्ट्राइक करने का साहसिक निर्णय मोदी जी के नेतृत्व मे ही संभव हो सका है। सेना को सशक्त बनाने के लिये अत्याधुनिक हथियार, साजो–सामान, अत्याधुनिक लडाकू विमान उपलब्ध कराने मे मोदी जी ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है चीनी घुसपैठ मोदी जी के नेतृत्व मे ही बंद हुई है आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के तहत लाखों करोड़ का निवेश देश मे आया है और देश कई मामलों मे आत्मनिर्भर हुआ है । कोरोना जैसी वैश्विक महामारी मे प्रधानमंत्री जी ने जिस प्रकार राष्ट्र को सम्हालने का काम किया है उसका सारा विश्व आज कायल है, चाहे वो चिकित्सा व्यवस्था हो , चाहे वो आर्थिक सहायता पैकेज हो, चाहे वह विश्व का सबसे बड़ा निरू शुल्क टीकाकरण अभियान हो वो मोदी जी के कुशल नेतृत्व मे ही संभव हो सका है अपने अध्यक्षीय उद्बोधन मे जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल जी ने अतिथियों एवं बुद्धिजीवियों का अभिवादन किया तथा प्रधानमंत्री जी के साहसिक फैसलों पर प्रकाश डालते हुये बताया कि जिसध प्रकार मोदी जी ने तीन तलाक खत्म करने , कश्मीर से धारा ३७० हटाने, जी एस टी जैसी टैक्स प्रणाली लागू करने का साहसिक फैसला किया वो भारतवर्ष मे एक कल्पना मात्र प्रतीत होता था। मोदी जी की यही साहसिक छवि उन्हें आज देश ही नहीं विश्व का सबसे लोकप्रिय नेता बनाती है। सम्मेलन मे उपस्थित बुद्धिजीवी गणों मे डा डी के मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता राम बहादुर दुबे, अधिवक्ता बाल मुकुंद शाह, अधिवक्ता रविन्द्र शाह, अधिवक्ता विजय सिंह चौहान, सी ए मनोरमा शाहवाल,समाज सेवी शिवचंद्र वाजपेई, व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजाराम केशरी ने भी मोदी जी के २० वर्ष के कार्यकाल मे हुये ऐतिहासिक कार्यों पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक अधिवक्ता प्रदीप शाह ने किया तथा अतिथियों का आभार प्रदर्शन करने का कार्य कार्यक्रम प्रभारी नरेश शाह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन के पूर्व समस्त अतिथियों ने दिवंगत हुये जनसंघ के जमाने से सिंगरौली भाजपा के आधार स्तंभ कहे जाने वाले वरिष्ठ नेता मानिक राम वर्मा को श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष सुंदर शाह, राजेश तिवारी, सरोज शाह, सरोज सिंह, किरण सोनी, जिला महामंत्री दिलीप शाह, जिला सह मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार, जिला मंत्री विनोद चौबे, पूनम गुप्ता, कोषाध्यक्ष हरिदास गुप्ता,मंडल अधयक्ष देवेश पांडे, भारतेंदु पांडे,एकतिस चंद्र वैश्य, वरिष्ठ नेत्री मीना चौबे, आर टी पटेल, रमेश कुशवाहा, मुकेश तिवारी, हेमंत पांडे तथा भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर उन्नाव में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अवध की आवाज

उन्नाव। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर उन्नाव में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला जज श्री हरवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सत्यप्रकाश, सीएमएस डॉ पवन कुमार, डॉ अंजू दुबे, डॉ धीर सिंह निश्चेतक,नोडल अधिकारी डॉ अर्जुन सिंह अपर मुख्य अधिकारी, मनोरोग चिकित्सक डॉ विकास दीक्षित उपस्थित रहे । जिला जज महोदय ने शिविर में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और स्वस्थ मस्तिष्क से ही मानसिक संतुलन की दशा निर्धारित होती है। इसलिए व्यक्ति को प्रसन्न चित्त रहना चाहिए। लोगों को सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना चाहिए ।उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय में संचालित मानसिक स्वास्थ्य इकाई में उपलब्धा मनोरोग चिकित्सा से संबंधित सेवाओं तथा आज आयोजित शिविर में मानसिक समस्या से संबंधित जानकारी उपचार व परामर्श सेवा का लाभ उठाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सत्य प्रकाश ने बताया कि प्रतिवर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है परंतु इस बार 8 अक्टूबर को यह दिवस मनाया जा रहा है। दिनांक 4 से 10 अक्टूबर तक मानसिक जागरूकता सप्ताह चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मानसिक जागरूकता, जांच व परामर्श की सेवाएं जिला चिकित्सालय के मानसिक स्वास्थ्य इकाई तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में शिविर लगाकर व स्कूल

मेंटल हेल्थ प्रोग्राम चलाया जा रहा है । मनोरोग विशेषज्ञ डॉ विकास दीक्षित ने मानसिक रोग के लक्षण व उपचार के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जीवन में निराशा, आत्महत्या की प्रवृत्ति, नींद ना आना, तनाव, उलझन, घबराहट, व्यवहार में चिड़चिड़ापन, मिर्गी या बेहोसी आना, बेवजह शक संदेह करना, किसी भूत प्रेत, जिन्न ,देवी देवता की छाया का भ्रम होना, बुढ़ापे में याददाश्त की कमी, किसी प्रकार का नशा जैसे शराब, गांजा, भांग, चरस आदि का सेवन करना आदि मानसिक रोग के लक्षण हो सकते हैं। ऐसे लक्षण वाले व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य काई में आकर जांच व उपचार कराना चाहिए।उपचार से मानसिक रोग ठीक हो जाता है। मानसिक स्वास्थ शिविर में 164 लोगों ने पंजीकरण कराकर जांच कराई, जिसमें 68 मानसिक विकार से ग्रसित रोगी पाए गए । जिन्हें दवा दी गई। शिविर में 19 मानसिक दिव्यांग व्यक्तियों का प्रमाण पत्र बनाया गया। जिला जज महोदय ने शिविर का निरीक्षण किया तथा मानसिक दिव्यांग प्रमाण पत्र वितरित किया। मानसिक दिव्यांग प्रमाण पत्र कुलदीप ग्राम मैना ब्लाक सिकंदरपुर करण, अरविंद प्रताप सिंह मैनपुर सुमेरपुर, आशीष कुमार सिंह बीघापुर, अनुपम देवी एबी नगर उन्नाव, प्रतिभा देवी जैतिपुर नवाबगंज, अमित कुमार सोहनपुर, राकेश प्रसाद मुजफ्फरपुर मियागंज ,खुशी आटा बंथर ब्लाक सिकंदरपुर करण, रोशनी, अनुपम सिंह ग्राम समद ब्लाक औरास, तथा अल्पना अवस्थी अवस्थी खेड़ा का मानसिक दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अशोक कुमार शुक्ला ने किया। शिविर काउंटर पर दीपक साहू कोआर्डिनेटर, काउंसलर सरस्वती रानी, आरती देवी, विजय कुमार व्यास, अवनींद्र स्टाफ नर्स, अविनाश एलटी, प्रज्ञा सैनी, गोविंद, डॉ गौरव यादव, ऑडियोलॉजिस्ट सुरेश कुमार पाल, सहायक सज्जन, दिव्यांग बोर्ड में डॉ विकास दीक्षित मनोरोग चिकित्सक, अखिल सक्सेना, सहगल आदि ने सेवाएं प्रदान किया।

छह साल की भतीजी से दुष्कर्म करने वाला आरोपी चचेरे चाचा को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

पीड़ित बच्ची का झाँसी मेडिकल कॉलिज में चल रहा उपचार

अवध की आवाज

उरई (जालौन) कोंच सर्किल के थाना नदीगांव क्षेत्र के ग्राम महेशपुरा में गत रोज छह साल की मासूम भतीजी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी 28 बर्षीय चचेरे चाचा तुलाराम पुत्र मुन्नालाल को थानाध्यक्ष के नेतृत्व में उप निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह व जितेंद्र ने पुलिस बल के साथ मिलकर गुरुवार की सुबह करीब 9 बजे गांव के बाहर बने तालाब के समीप से उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह गांव से बाहर भागने की जुगत

में था।पुलिस ने आरोपी तुलाराम के खिलाफ पीड़िता के पिता द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर दफा 363, 376,पॉस्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।वहीं घटना के बाद गंभीर हालत में उपचार हेतु जिला अस्पताल भेजी गयी पीड़ित बच्ची को बेहतर उपचार हेतु झाँसी मेडिकल कॉलिज में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार किया जा रहा है।थाना पुलिस ने बताया कि पीड़ित बच्ची की स्थिति में सुधार होने के बाद उसके बयान दर्ज किये जायेंगे विदित हो कि गत रोज बुधवार को खून के रिश्तों को शर्मशार करते हुए आरोपी तुलाराम रिश्ते की अपनी भतीजी को बिस्किट देने के बहाने से बहला फुसलाकर अपने घर ले गया था जहां उसने दुष्कर्म की घिनौनी घटना को अंजाम दिया था।वहीं घटना के बाद खून से लतपथ पीड़िता रोती हुई अपने घर पहुँची तब पड़ोसियों ने उसकी ऐसी हालत देख खेतों में काम कर रहे पीड़िता के परिजनों को सूचना दी।वहीं घटना की सूचना मिलते ही सीओ राहुल पांडेय सहित थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जाँच करते हुए पीड़िता को चिकित्सकीय परीक्षण हेतु अस्पताल भेज दिया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए सीओ ने आरोपी की अबिलम्ब गिरफ्तारी हेतु थाना पुलिस को सख्त निर्देश दिये थे। उक्त घटना को लेकर ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी तुलाराम इससे पूर्व भी दो मर्तबा और इस प्रकार की घिनौनी घटना को अंजाम दे चुका है।और उसकी इन्हीं हरकतों से आजिज आकर उसकी पत्नी बीते करीब 5ध्6 वर्ष पूर्व घरबार छोड़ कर चली गयी थी।

विकासखंड नवाबगंज ग्राम सभा साखी पुर माझा में सरयू नदी में भयंकर कटान शुरू होने से लोगों का जीवन अस्त–व्यस्त

अवध की आवाज

गोंडा। जानकारी करने पर लोगों ने बताया कि 1 माह पूर्व से कटान चालू है लेकिन प्रशासन के तरफ से कर्मचारियों के द्वारा आज तक कोई देखने नहीं आया है लोगों का कहना है कि अगर इसी तरह से कटान

चलता रहा तो किसान भुखमरी की स्थिति पर आ जाएगा, । तेज बहादुर यादव निवासी दत्तनगर ने बताया कि इसकी शिकायत प्रशासन को कई बार दी जा चुकी है परंतु प्रशासन के उदासीनता के कारण किसान परेशान हैं। क्षेत्र में सरयू नदी की कटान होने से काफी किसान लोगों का नुकसान हुआ है। लगभग 20 दिन पूर्व से शुरू है कटान परंतु प्रशासन के द्वारा कोई सहायता एवं लाभ नहीं दिया जा रहा है भुखमरी की कगार पर पहुंच चुके हैं किसान घर में ना तो भोजन है और जानवर के लिए चारा प्रशासन के कान में नहीं रेंग रहा है। इसी तरह से कटान चलता रहा तो लगभग आधी आबादी हो जाएगी खत्म किसानों ने जिलाधिकारी गोंडा से सहायता की मांग की है।

लखनऊ के वरिष्ठ लोगों से मिलते हुए अवध की आवाज के ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा मंडल प्रभारी कानपुर संवाददाता मनोज गुप्ता

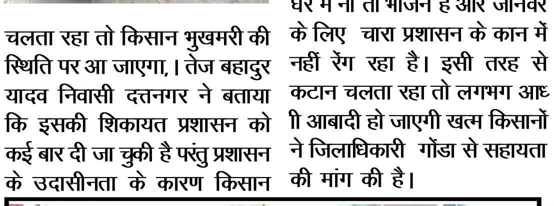

अवध की आवाज ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा मैं आज दिनांक 8–10 –2021 दिन शुक्रवार को हिंदुस्तान लाइव चौनल लखनऊ से वार्ता करते हुए संवाददाता रीशू मिश्रा से अपने अवध के अवध की आवाज के पेपर के विषय में वार्ता की मिश्रा जी ने पेपर एवं पोर्टल की प्रशंसा की संवाददाता मनोज गुप्ता

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी का सेवा और समर्पण अभियान जोकि 17 सितंबर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस से प्रारंभ हुआ था उसका समापन बार मुख्यमंत्री के रूप मे गुजरात मे सत्ता सम्हाली थी। मोदी जी के नेतृत्व के 20 वर्ष पूरे होने पर एक बुद्धिजीवी संगोष्ठी का आयोजन होटल नीलम पैलेस विंध्यनगर मे सम्पन्न हुआ।

वायु सेना के अभियान देश के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय: राजनाथ

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि वायु सेना ने देश की रक्षा करते हुए ऐसे अभियानों को अंजाम दिया है जो देश के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय माने जायेंगे। श्री सिंह ने शुक्रवार को वायु सेनाकर्मियों, भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों को वायु सेना के 89 वें स्थापना दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए यह बात कही। रक्षा मंत्री के कार्यालय ने इस अवसर पर रक्षा मंत्री का एक वीडियो संदेश जारी किया है। श्री सिंह ने अपने संदेश में कहा है, "देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा के लिए वायु सेना ने जरूरत पड़ने पर दुश्मनों के हौसले पस्त करने वाले शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। वर्ष 1961 के गोवा मुक्ति संग्राम से लेकर 1965 की भारत–पाकिस्तान लड़ाई, 1971 के बंगलादेश मुक्ति संग्राम और लोंगेवाला में आपका प्रदर्शन, 1984 के मेघदूत ऑपरेशन, 1999 के ऑपरेशन सफेद सागर और हाल ही में बालाकोट के कुछ ऐसे अध्याय हैं जो न केवल वायु सेना के बल्कि हमारे देश के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय माने जायेंगे।" वीडियो में श्री सिंह को वायु सेना के पायलटों के साथ उडान भरने के पायलट के सूट में दिखाया गया है। इसके अलावा वीडियो में बालाकोट, करगिल अभियान तथा कई अन्य ऑपरेशनों के दौरान लड़ाकू विमानों को आकाश में गर्जन करते दिखाया गया है।

पचास लाख से ज्यादा कोविड टीके लगे

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। देश में पिछले 24 घंटे को दौरान 50.17 लाख से अधिक कोविड टीके लगाए गए है। इसके साथ ही कुल टीकाकरण 93.17 करोड़ से अधिक हो गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि पिछले 24 घंटे में कोविड संक्रमण के 21 हजार 257 नये मामले सामने आयें है और 24 हजार 963 व्यक्ति कोविड संक्रमण से मुक्त हुये हैं। मंत्रालय के अनुसार स्वस्थ होने की दर 97.96 प्रतिशत है। देश में कुल दो लाख 40 हजार 221 कोविड रोगियों का इलाज चल रहा है जो कुल मामलों का 0.71 प्रतिशत है। अभी तक तीन करोड़ 32 लाख 25 हजार 221 व्यक्ति कोविड से उबर चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 50 लाख 17 हजार 753 कोविड टीके लगायें गयें हैं। आज सुबह सात बजे तक कुल टीकाकरण 93 करोड़ 17 लाख 17 हजार 151 हो गया। आंकड़ों के अनुसार अभी तक कुल तीन करोड़ 31 लाख 75 हजार 656 कोविड रोगी स्वस्थ हो चुके है। पिछले 24 घंटों में 13 लाख 85 हजार 706 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में 58 करोड़ 43 हजार 190 परीक्षण हो चुके हैं।

पेट्रोल और डीजल में चौथे दिन लगी आग

नई दिल्ली,(वेब वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में कल रही तेजी के बीच शुक्रवार को लगातार चौथे दिन घरेलू स्तर पर पेट्रोल 30 पैसे प्रति लीटर और डीजल 35 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया। इस बढ़त के बाद दिल्ली में पेट्रोल 103.54 रुपये प्रति लीटर और डीजल भी 92.12 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। मुंबई में पेट्रोल 109 रुपये के पार और डीजल 100 रुपये प्रति लीटर के करीब पहुंच गया। लगातार चार दिनों की तेजी के बाद इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को इन दोनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था लेकिन मंगलवार से इन दोनों में वशद्धि की जा रही है। राजधानी दिल्ली में इनकी कीमतें अब तक के रिकार्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। इस वशद्धि के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल अब तक के रिकार्ड उच्चतम स्तर 103.54 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल भी सर्वकालिक उच्चतम स्तर 92.12 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। पिछले नौ दिनों में पेट्रोल 2.35 रुपये महंगा हो चुका है। डीजल भी 13 दिनों में से 3.50 रुपये प्रति लीटर चढ़ चुका है। ओपेक देशों की बैठक में प्रतिदिन चार लाख बैरल तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय लिया गया था जबकि कोरोना के बाद अब वैश्विक स्तर पर इसकी मांग में जबरदस्त तेजी दिख रही है। इस निर्णय के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी आयी और यह सात वर्ष के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कच्चे तेल में तेजी के बाद कल अमेरिकी ने अपने रणनितिक भंडार का उपयोग करने की बात कही। इसके साथ ही कच्चे तेल के निर्यात को भी रोकने का संकेत दिया जिससे कच्चे तेल में फिर से तेजी आने लगी। कल कारोबार बंद होने पर ब्रेंट क्रूड 0.87 डॉलर प्रति बैरल बढ़कर 82.77 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.87 डॉलर की बढ़त के साथ 78.30 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल 103.54 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.12 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। इस बढोतरी के बाद दिल्ली एनसीआर के नोएडा में पेट्रोल 100.82 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.74 रुपये प्रति लीटर पर है। अभी भोपाल में पेट्रोल 112.07 रुपये प्रति लीटर और डीजल 101.17 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नई कीमतें लागू की जाती हैं।

फूड नेटवर्क से 27 साल बाद अलग होगे बखबी फ्ले

लॉस एंजिल्स, (वेब वार्ता)। सेलिब्रिटी शेफ बॉबी फ्ले और फूड नेटवर्क से 27 साल बाद अलग होने के लिए तैयार हैं। फ्ले और फूड नेटवर्क पिछले कुछ समय से एक नए अनुबंध पर बातचीत कर रहे हैं। डिस्कवरी के स्वामित्व वाले केबलर के साथ उनका सबसे हालिया तीन साल का समझौता साल के अंत में समाप्त हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि फूड नेटवर्क की ओर से बातचीत खत्म कर दी गई है। वैराइटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार सक्रिय वार्ता पर टिप्पणी नहीं करने की नीति का हवाला देते हुए, फ्ले प्रतिनिधियों ने स्थिति पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। फूड नेटवर्क के करीबी सूत्रों का कहना है कि हमने आगे बढ़ने का फैसला किया है क्योंकि दोनों पक्ष वित्तीय शर्तों पर अलग हुए है। फूड नेटवर्क से फ्ले का जाना दर्शकों के लिए एक झटका है। फ्ले 1994 से इसकी प्रोग्रामिंग का एक प्रमुख केंद्र रहे है। फ्ले ने हाल ही में बीट बॉबी फ्ले और ब्रंच एट बॉबी जैसी पेशकशों से लेकर मूल ग्रिलिन और चिलिन जैसी कई श्रशंखलाएं प्रस्तुत की हैं, जिन्होंने फ्ले को एक करिश्माई शेफ बारबेक्यू मास्टर के रूप में स्थापित किया है। फ्ले लंबे समय से फूड नेटवर्क के कई गेम शो में चॉप्ड और आयरन शेफ अमेरिका से लेकर वर्स्ट कुक्स इन अमेरिका, द बेस्ट थिंग आई एवर एट और द नेक्स्ट फूड नेटवर्क स्टार तक नियमित कंटेंडर रहे हैं। हाल ही में फ्ले ने अपनी बेटी सोफी के साथ श्रशंखला द फ्ले लिस्ट की भी मेजबानी की थी।

रिजर्व बैंक ने डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने को आईएमपीएस की सीमा बढ़ाकर पांच लाख रुपये की

मुंबई, (वेब वार्ता)। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) के जरिये प्रति लेनदेन सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने का प्रस्ताव दिया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा प्रबंधित आईएमपीएस एक महत्वपूर्ण भुगतान प्रणाली है जो चौबीसों घंटे घरेलू धन के तत्काल हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करती है और इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग ऐप, बैंक शाखाओं, एटीएम, एसएमएस तथा आईवीआरएस जैसे विभिन्न चौनलों के माध्यम से सुलभ है। आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) के अब चौबीसों घंटे काम करने के साथ, आईएमपीएस के निपटान चक्र में समान वृद्धि हुई है, जिससे ऋण और निपटान जोखिम कम हो गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद उपायों की घोषणा करते हुए कहा, आईएमपीएस प्रणाली के महत्व को देखते हुए और उपभोक्ताओं की सुविधा को बढ़ाने के लिए प्रति लेनदेन सीमा दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है।ष उन्होंने कहा कि इससे डिजिटल भुगतान में और वृद्धि होगी तथा ग्राहकों को दो लाख रुपये से अधिक का डिजिटल भुगतान करने की अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। दास ने कहा कि इस संबंध में जरूरी निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, रिजर्व बैंक ने देशभर में ऑफलाइन मोड में खुदरा डिजिटल भुगतान के लिए एक संरचना पेश करने का भी प्रस्ताव दिया। गवर्नर ने कहा, ष्पायलट परीक्षणों से प्राप्त उत्साहजनक अनुभव को देखते हुए, देश भर में ऑफलाइन तरीके से खुदरा डिजिटल भुगतान के लिए एक संरचना पेश करने का प्रस्ताव है। इससे डिजिटल भुगतान की पहुंच का विस्तार होगा और लोगों एवं व्यवसायों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

दिशा परमार ने बड़े अच्छे लगते हैं 2 में अपने किरदार से जुड़ने के बारे में बताया

मुंबई, (वेब वार्ता)। बड़े अच्छे लगते हैं 2 में प्रिया सूद की भूमिका निभा रहीं दिशा परमार ने अपने किरदार के बारे में बताया कि वह अपने ऑन–स्क्रीन व्यक्तित्व से कितनी अच्छी तरह जुड़ती हैं। दिशा कहती हैं, मैं वास्तव में अपने चरित्र के अनुरूप हूं। वह बहुत भरोसेमंद है और कुछ चीजों पर उसका दृष्टिकोण वास्तव में मेरी सोच से मेल खाता है। कई बार मुझे लगता है, हे भगवान, प्रिया चरम है। वास्तव में, सेट पर लोग कभी–कभी कहते हैं कि दिशा, प्रिया है, प्रिया दिशा है। तो, हां, हम बहुत समान हैं। शो का वर्तमान ट्रैक राम और प्रिया की शादी की रस्मों पर केंद्रित है। शो में राम और प्रिया के लिए आगे क्या है, इस बारे में बात करते हुए, दिशा ने कहा, उन्होंने अपने परिवारों की खातिर शादी की, लेकिन धीरे–धीरे और लगातार, वे एक–दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। तो, यह कैसा होने वाला है प्रिया, जो एक विनम्र पृष्ठभूमि से है, इस विशाल घर में फँसी लोगों के साथ जाने और रहने के लिए? इस सवाल के साथ अपनी शार्ट कहानी को समाप्त करते हुए, दिशा ने कहा, मुझे लगता है कि यह सब देखना मजेदार होगा। यहां तक कि मैं भी इसके लिए उत्सुक हूं। (बड़े अच्छे लगते हैं 2 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा है।)

जरूरी सावधानी अपनाएं, परिवार को फाइलेरिया से बचाएं : सीएमओ

पाथ संस्था के सहयोग से कार्यशाला आयोजित

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर। फाइलेरिया दुनिया की दूसरे नंबर की ऐसी बीमारी है जो बड़े पैमाने पर लोगों को दिव्यांग बना रही है। शरीर के जिन अंगों पर फाइलेरिया का प्रभाव होता है, उसकी त्वचा पर इसके जीवाणु तेजी से पनपते हैं । इन जीवाणुओं की संख्या अधिक होने के कारण प्रभावित अंगों में दर्द, लालपन एवं रोगी को बुखार हो जाता है। फाइलेरिया प्रभावित अंगों में शुरूआत में सूजन के लक्षण होते हैं, बाद में यही सूजन स्थायी और लाइलाज हो जाती है। इस बीमारी की गंभीर स्थिति में व्यक्ति मृत के समान हो जाता है। यह बातें मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. शैलेंद्र भटनागर ने स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पाथ संस्था के सहयोग से फाइलेरिया और कालाजार पर आयोजित कार्यशाला के दौरान कहीं। वर्कशाप में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ. भटनागर ने कहा कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। फाइलेरिया परजीवी की औसतन आयु 4 से 6 वर्ष की होती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान के दौरान लगातार पांच साल तक फाइलेरिया से बचाव की दवा खानी चाहिए, जिससे कि वह फाइलेरिया जैसी घातक बीमारी से बच सके।

एसीएमओ डॉ. अश्वनी सिंह ने कहा

कि जब तक किसी व्यक्ति के फाइलेरिया से पीड़ित होने का पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इस बीमारी का अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है। इसकी रोकथाम ही इसका सही समाधान है। उन्होंने कालाजार बीमारी के बारे में भी जानकारी देते हुए इसके कारण, लक्षण और उपचार के बार में बताया। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी और आसपास के जिलों में फाइलेरिया के मरीजों का मिलना चिंता की बात है। एसीएमओ डॉ. केके आदिम ने कहा कि क्यूलेक्स और मैनसोनाइडिस प्रजाति के मच्छरों के जीवन चक्र की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बीमारी मच्छरों द्वारा खासकर परजीवी क्यूलेक्स फैंटीगंस मादा मच्छर के जरिए फैलती है।

जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एसके

श्रीवास्तव ने बताया कि फाइलेरिया बीमारी क्यूलेक्स और मैनसोनाइडिस प्रजाति के मच्छरों से होती है। यह मच्छर जब किसी मानव को काटता है तो यह एक पतले धागे जैसा परजीवी मानव शरीर में छोड़ता है। मादा परजीवी, नर परजीवी के संपर्क में आकर लाखों सूक्ष्म फाइलेरिया नामक भ्रूणों को जन्म देती है। यह माइक्रो फाइलेरिया रात के समय में प्रभावी होते हैं। उन्होंने कहा कि फाइलेरिया बीमारी एक छिपा हुआ दुश्मन है, क्योंकि इसके लक्षण संक्रमण के 8 से 12 सालों बाद नजर आते हैं। ऐसी स्थिति में मानव शरीर के अंगों हाथ, पैर, स्तन, अंडकोष में सूजन बढ़ने लगती है।

पाथ संस्था के नोडल ऑफीसर डॉ. उदित मोहन ने बताया कि सामान्य लोगों में, जिनके शरीर में फाइलेरिया रोग के कीटाणु नहीं है, दवा सेवन से कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। दवा के सेवन से जब शरीर में फाइलेरिया कृमि मरते हैं तो बुखार, खुजली, उल्टी जैसे लक्षण हो सकते हैं जो स्वतः तीन से चार घंटे में समाप्त हो जाते हैं। इस लक्षण के होने पर इसका सामान्य इलाज किया जा सकता है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। हाइड्रोसिल का इलाज संभव है इसके मुफ्त ऑपरेशन की सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल पर उपलब्ध है। इससे बचाव के लिए घर के आस–पास पानी जमा न होने दें और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। उन्होंने यह भी बताया कि यह दवा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती और अत्यन्त गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को नहीं दी जानी है, लेकिन जो लोग उच्च रक्त चाप, मधुमेह, अर्थराइटिस रोग की दवा का सेवन कर रहे हैं, वह इस दवा का सेवन कर सकते हैं।

कार्यशाला में जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ चिकित्सक, सभी सीएचसी अधीक्षक, सभी बीपीएम, बीसीपीएम, स्टाफ नर्स, लैब टैक्निशियन आदि मौजूद रहे।

बाथरूम में नहा रही थीं विधि, प्रतीक सहजपाल ने तोड़ दिया लॉक

मुंबई, (वेब वार्ता)। 'बिग बॉस ओटीटी' में भले ही प्रतीक सहजपाल का गेम की खूब तारीफें हुई हों, लेकिन जिस तरह से वह 'बिग बॉस 15' में जा रहे हैं, उसके कारण वह घरवालों के निशाने पर आ रहे हैं। प्रतीक सहजपाल ने अब कुछ ऐसा कर दिया जिससे तो अच्छा नहीं होगा। इस पूरे वाकये को 8 अक्टूबर के एपिसोड में दिखाया जाएगा, जिसका प्रोमो रिलीज कर दिया गया है। विधि नहाने के बाद प्रतीक के पास जाती हैं और उनसे पूछती हैं कि किसी के नहाते वक्त उन्होंने ऐसा क्यों

वह सबके निशाने पर आ गए। तेजस्वी प्रकाश और करन कुंद्रा ने उन पर खूब गुस्सा निकाला। दरअसल विधि पांड्या बाथरूम में नहा रही थीं और तभी प्रतीक ने बाथरूम का ताला तोड़ दिया। विधि जब नहाकर बाहर निकलीं और उन्होंने ताला टूटा देखा तो उनके होश उड़ गए। यह बात विधि अन्य घरवालों को बताई तो उन्होंने प्रतीक पर खूब गुस्सा निकाला। करन कुंद्रा ने तो प्रतीक को धमकी दे दी कि अगर उन्होंने फिर कभी किसी लड़की के साथ ऐसी हरकत की किया? तेजस्वी प्रकाश भी प्रतीक पर गुस्सा निकालती हैं और कहती हैं कि उन्होंने जो किया वह डरावना था। लेकिन प्रतीक कहते हैं कि उन्होंने ऐसा गेम के बारे में सोचकर किया था। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि बाथरूम में कोई है या नहीं। उन्होंने जो किया, वह उसके लिए बिल्कुल भी माफी नहीं मांगेंगे। देखने वाली बात यह होगी कि इस 'वीकेंड का वार' पर सलमान खान, प्रतीक सहजपाल की क्लास लेते हैं या फिर उन्हें बख्शते हैं।

14 एवं 15 को श्रमिकों की योजनाओं का जायजा लेंगे राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोंडा। भारतीय जनता पार्टी अनुषांगिक संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक लंबे समय के बाद अपने गृह जनपद गोंडा आएंगे श्री पाठक का सर्वप्रथम जरवल रोड में कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत होगा उसके उपरांत श्री पाठक करनैलगंज के प्रमुख कार्यकर्ताओं से भेंट करने के उपरांत रास्ते मे कार्यकताओं के अभिवादन स्वीकार करते हुए गोण्डा सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करके आगामी कार्यक्रमों और आगामी कार्यक्रम के बारे में योजना रचना का जायजा लेंगे। पाठक का यह दौरा मजदूरों कामगारों को सरकार द्वारा चलाई जा रही स्कीम धरातल तक पहुंचने वाली स्कीमों को लेकर होगा। पाठक भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जायजा लेंगे इसी क्रम में पाठक करंट लगने से कोई दर्दनाक मृत्यु स्वर्गीय गुड्डू नामक कामगार के घर जाकर पीड़ित परिवार से मिलेंगे। पाठक मनकापुर यूपीएससी के रिजल्ट में आए छात्र के परिजनों से मिलकर बधाई देगें एवं उतरौला सादुल्लानगर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक एवं योजना रचना बनाकर रात्रि विश्राम सर्किट हाउस अगले दिन पाठक तरबगंज आमदही दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संतोष सिंह के पैतृक निवास पूरे खदान में दिव्यांगों को ट्राई साइकिल वितरण करेंगे आपको बता दें भारतीय श्रमिक कामगार कर्मचारी महासंघ भारतीय जनता पार्टी प्रणित के अनुशासन समिति के राष्ट्रीय संयोजक अजय विक्रम सिंह प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह प्रदेश महामंत्री मनीष मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार भार्गव प्रदेश उपाध्यक्ष तन्मय मिश्रा कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय महामंत्री मंजू तिवारी करेगी इसी क्रम में कार्यक्रम को इंद्रभान तिवारी वरुण पांडे धर्मवीर शुक्ला सहित प्रमुख कार्यकर्ता श्री पाठक के कार्यक्रम के संचालन करेंगे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। भगवंत नगर विधानसभा में कटरी पीपर खेड़ा पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलकर की वार्ता कटरी पीपर खेड़ा प्रधान छेदाना पुत्र अनिल निषाद ने पुष्पा गुछ देकर माननीय अध्यक्ष जी का किया स्वागत वहीं पर मौजूद भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं जनसमूह सभी लोगों का यथोचित अनिल निषाद द्वारा किया गया स्वागत वहीं पर मौजूद हिलौली ब्लाक प्रमुख दिलीप दीक्षित जी का हुआ जोरदार स्वागत।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।